Roll No. ..... Total Pages : 6

4384

M.A. (Previous) Examination, 2015

HINDI LITERATURE
Paper–IV
(आधुनिक काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A (खण्ड–अ) [Marks : 20]
Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B (खण्ड–ब) [Marks : 50]
Answer *five* questions (250 words each), Selecting *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C (खण्ड–स) [Marks : 30]
Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

इकाई–I

1. (क) 'साकेत' की रचना की प्रेरणा गुप्त जी को कहाँ से और कैसे मिली?

(ख) 'साकेत' रचना के नामकरण की सार्थकता लिखिए।

इकाई–II

(ग) कामायनी के पात्रों के प्रतीकार्यों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) कामायनी में कितने सर्ग हैं? उनके नाम क्रमशः लिखिए।

इकाई–III

(ङ) दिनकर रचित 'कुरुक्षेत्र' के तृतीय सर्ग के प्रमुख बिन्दु लिखिए।

(च) दिनकर रचित कुरुक्षेत्र के पात्रों के नाम क्या हैं, वे कथ्य के अनुरूप कैसे हैं?

इकाई–IV

(छ) असाध्यवीणा के झंकृत होने पर राजा को कैसा अनुभव हुआ?

(ज) अंधेरे में कविता की मूल संवेदना लिखिए।

इकाई–V

(झ) इतिवृत्तात्मका से क्या तात्पर्य है? द्विवेदी युग के दो कवियों के नाम और उनके दो इतिवृत्तात्मक काव्यों के नाम लिखिए।

(ञ) 'तार सप्तक' का प्रकाशन कब हुआ, उसमें किन कवियों को सम्मिलित किया गया है?

खण्ड–ब

इकाई–I

2. 'साकेत' में गुप्त जी ने उर्मिला की विरहवेदना के वर्णन में पारंपरिकता और आधुनिकता दोनों का समावेश किया है'–स्पष्ट कीजिए।

3. प्रबंध काव्य की दृष्टि से साकेत का विवेचन कीजिए।

इकाई–II

4. श्रद्धा सर्ग में वर्णित श्रद्धा के रूप-वर्णन को अपने शब्दों में उदाहरण सहित लिखिए।

5. श्रद्धा सर्ग में व्यंजित प्रसाद की नारीविषयक दृष्टि का उदाहरणपुष्ट विवेचन कीजिए।

इकाई–III

6. 'कुरुक्षेत्र' के तृतीय सर्ग के अनुसार स्थायी शान्ति का निर्वहण कब संभव है? उदाहरणपुष्ट विवेचन कीजिए।

7. कुरुक्षेत्र के तृतीय सर्ग के अनुसार महाभारत-युद्ध का कारण क्या था? तर्कपुष्ट व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए।

इकाई–IV

8. 'राम की शक्तिपूजा' कविता की भाषागत वैशिष्ट्य उदाहरण देकर लिखिए।

9. 'राम की शक्तिपूजा' कविता का वर्णयोजना पूर्णत: संगीत पर आधारित एवं रसात्मक है, प्रसंगानुकूल है'-इस कथम का विवेचन कीजिए।

इकाई–V

10. 'असाध्यवीणा' कविता में प्रियंवद ने राजा की चुनौती नितांत नम्र और निस्पृह भाव से की थी। स्पष्ट कीजिए।

11. अंधेरे में कविता की मूल संवेदना क्या है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–स

इकाई–I

12. निम्नलिखित काव्यांश की समग्र व्याख्या कीजिए:
(रस, अलंकार, व्यंजना आदि के स्पष्ट निर्देश सहित)

उस रूदन्ती विरहिणी के रुदन रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय विरह विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हो विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के?

इकाई–II

13. कामायनी में प्रतिपादित समरसता-दर्शन का उदाहरणपुष्ट विवेचन कीजिए।

इकाई–III

14. 'युद्ध निन्दित और क्रूर कर्म है, किन्तु इसका दायित्व किस पर होना चाहिए'? इस कथन के संदर्भ में कुरुक्षेत्र के तृतीय सर्ग का तर्कसम्मत मूल्यांकन कीजिए।

इकाई–IV

15. "मुक्तिबोध की कविता में सदैव एक साथीपन का भाव है। सबसे बड़ी बात उनमें यह है कि उनके अन्दर 'मस्तिष्कहीन कोरी भावुकता' (माइण्डलेस फीलिंग) नहीं है।" 'अँधेरे में' कविता के साक्ष्य में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई–V

16. ''सर्जनात्मकता 'असाध्यवीणा' में व्यक्त कवि की आस्था का मूल आधार है और मूल स्वर है।'' 'असाध्यवीणा' कविता का मूल स्वर स्पष्ट कीजिए।